बर्षः- 06
अंकः- 107
मुरादाबाद
(Thursday)
06 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अनुच्छेद 370 हटने के 7 सालः पीएम मोदी बोले- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख ने विकास का नया दौर देखा; गिनाईं ये उपलब्धि

अनुच्छेद 370 और 35(ए) हटाए जाने के सात वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 अगस्त 2019 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विकास की नई शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि इस अवधि में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता और खेल जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री के अनुसार, भारतीय संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने से महिलाओं और वंचित वर्गों सहित सभी नागरिकों को समान संवैधानिक अधिकार और नए अवसर मिले हैं।जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35(ए) हटाए जाने के सात

साल आज यानी पांच अगस्त को पूरे हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि तब से दोनों क्षेत्रों में लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज ही के दिन सात वर्ष पहले अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए थे। इससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की विकास यात्रा में एक निर्णायक नए अध्याय की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं।पीएम मोदी ने कहा, चाहे महिलाएं हों या वंचित समुदाय, जिन लोगों को दशकों तक अपने मूल संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया, उन्हें भारतीय संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने के कारण सशक्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 5 अगस्त का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रीय एकता के प्रति उनका आजीवन समर्पण आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। उन्होंने दशकों पहले जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि हर नागरिक बड़े सपने देख सके, उन्हें पूरा कर सके और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सके। क्या बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ?- वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मां भारती का मस्तक सदा ऊंचा रहे। 5 अगस्त, 2019 भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के इतिहास का स्वर्णिम दिवस है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के साथ एक विधान-एक निशान-एक प्रधान के स्वप्न तथा एक भारत-श्रेष्ठ भारत के राष्ट्रीय संकल्प को ऐतिहासिक सिद्धि मिली। उन्होंने कहा, यह निर्णय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उस राष्ट्रनिष्ठ स्वप्न की पूर्णता थी, जिसके लिए उन्होंने अपना सर्वस्व राष्ट्र के चरणों में समर्पित कर दिया। बीते सात वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने आतंकवाद से शांति, अलगाववाद से एकात्मता और अस्थिरता से विकास की ऐतिहासिक यात्रा तय की है। आज यह प्रदेश नए भारत की आकांक्षाओं, प्रगति और समृद्धि का सशक्त प्रतीक बन चुका है। राष्ट्र प्रथम की भावना से ओत-प्रोत इस युगांतरकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री का हार्दिक आभार व अभिनंदन।

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी की अहम बैठक से पहले दीपके बोले- देश को है जरूरत, दबाव समूह के तौर पर करेंगे काम

नीट पेपर लीक आंदोलन के बाद कॉकरोच जनता पार्टी की कोर कमेटी बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर में बैठक करेगी। इस दौरान संगठन के विस्तार, आंदोलन की अगली दिशा और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर भविष्य की रणनीति तय किए जाने की संभावना है।नीट पेपर लीक मामले को लेकर आंदोलन चलाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कोर कमेटी की अहम बैठक आज महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में होगी। सीजेपी की कोर कमेटी की बैठक से पहले पार्टी नेताओं ने आंदोलन को जमीनी स्तर तक ले जाने और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अभियान जारी रखने की बात कही। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा कि फिलहाल उनकी पार्टी एक दबाव समूह (प्रेशर ग्रुप) के रूप में काम करेगी, क्योंकि मौजूदा समय में देश को इसी की जरूरत है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में सीजेपी की कोर टीम की बैठक से पहले पत्रकारों से बातचीत में दीपके ने कहा कि बैठक में मीडिया और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं में लोगों के घटते भरोसे पर चर्चा की जाएगी।दीपके ने बताया कि बैठक में इथेनॉल मिश्रित ईंधन और बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी विचार किया जाएगा। आगे भी उनके मार्गदर्शक बने रहेंगे और पार्टी उनसे सलाह लेती रहेगी।पार्टी की मुख्य प्रवक्ता वैष्णवी गौर ने कहा, भाजपा और आरएसएस ने जिस तरह रैलियां कीं, वह संवाद नहीं बल्कि निर्देश देने जैसा था।

जनेश्वर मिश्र जयंती पर सपा का शक्ति प्रदर्शन, अखिलेश बोले- PDA में P मतलब पंडित, 2027 में बदलाव होना तय

जनेश्वर मिश्र जयंती पर समाजवादी पार्टी ने लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन किया। अखिलेश यादव ने प्रबुद्धजन सम्मेलन में पीडीए की नई व्याख्या करते हुए पंडित समाज को जोड़ने का संदेश दिया और 2027 में बदलाव का दावा किया। सम्मेलन में सरकार पर फर्जी एनकाउंटर समेत कई गंभीर आरोप भी लगाए गए। समाजवादी विचारक और पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की जयंती पर बुधवार को समाजवादी पार्टी ने राजधानी लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन किया। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया और जिंदाबाद के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। सुबह करीब 11:30 बजे जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचे अखिलेश यादव गोल्फ कार्ट से प्रतिमा स्थल तक गए। जैसे ही वह कार्ट से उतरकर आगे बढ़े, कार्यकर्ताओं की भीड़ उन्हें घेरने लगी। पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद भीड़ को नियंत्रित कर उन्हें सुरक्षित प्रतिमा तक पहुंचाया। अखिलेश ने दी श्रद्धांजलि- श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद अखिलेश यादव पार्टी कार्यालय पहुंचे, जहां ब्राह्मण समाज को साधने के उद्देश्य से आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन में प्रदेशभर से ब्राह्मण समाज से जुड़े पार्टी नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, जनेश्वर मिश्र ने समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया और आज भी उनके विचार पार्टी की ताकत हैं। जनेश्वर मिश्र पार्क में बड़े कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी गई, लेकिन इससे 2027 में बदलाव की आवाज को रोका नहीं जा सकता। लोहिया पार्क भले छोटा हो, लेकिन विचारों के लिहाज से वह देश का सबसे बड़ा पार्क है। उन्होंने भाजपा पर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनीति से घबराने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अब पीडीए की नई-नई परिभाषाएं गढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 2027 के चुनाव में सभी वर्गों को एकजुट होकर भाजपा को जवाब देना होगा। जबसे PDA से हारे हैं यह सब कर रहे हैं। जो लोग समय समय पर PDA की परिभाषा समय समय पर बदलते हैं वो जान लें, PDA में P पंडित है, PD पंडित का शॉर्ट फॉर्म है। पंडित को जितना सताओगे पंडित और मजबूत होगा। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा ने भाजपा सरकार पर ब्राह्मणों के फर्जी एनकाउंटर कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो किसी भी प्रकार का एनकाउंटर नहीं होगा और मौजूदा सरकार के दौरान हुए सभी कथित फर्जी एनकाउंटरों की जांच कराई जाएगी।यदि जांच में किसी भी अधिकारी की भूमिका सामने आती है, चाहे वह डीजीपी जैसे उच्च पद पर ही क्यों न हो, उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ी तो जेल भेजने का काम होगा।

सीएम योगी बोले- सदन में विपक्ष का आचरण शर्मनाक, ये विकास विरोधी

यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र में बुधवार को भी हंगामा और नारेबाजी जारी रही जिसके कारण मंगलवार को पेश किए गए 59 हजार करोड़ के अनुपूरक बजट पर चर्चा नहीं हो सकी। विधानसभा में लगातार हंगामा होता रहा जिस पर कार्यवाही को दो बार स्थगित करना पड़ा। हंगामा न थमते देख दोपहर करीब डेढ़ बजे सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। यूपी विधानमंडल में हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष का लोकतंत्र और विकास विरोधी चेहरा सामने आया है। इन लोगों का आचरण शर्मनाक है। ये विकास विरोधी हैं।यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को पेश किए गए अनुपूरक बजट पर हंगामे के चलते चर्चा नहीं हो सकी। सदन की कार्यवाही को दो बार स्थगित करना पड़ा। इसके बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई पर लगातार हंगामा होता रहा और हंगामे के बीच ही कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए गए। वहीं, हंगामा न रुकते देख विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।यूपी विधानसभा में लगातार हंगामा होता रहा। इस बीच कई महत्वपूर्ण विधेयक बिना चर्चा के ही पास हो गए। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की मांग की जिस पर सभापति ने सहमति दे दी।यूपी विधानसभा में कार्यवाही के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई। पेपर लीक के मुद्दे पर शून्य काल में चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ।

वहीं, सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने विधान परिषद से बहिर्गमन कर दिया।यूपी विधानसभा में कार्यवाही के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई। प्रश्नकाल में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने अपना पक्ष रखा। वहीं, विपक्ष के लोग नारेबाजी व हंगामा करते रहे।यूपी विधानसभा में हंगामा होना बंद नहीं हुआ जिसके बाद सदन की कार्यवाही एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। इसके पहले, 11 बजे दिन की कार्यवाही शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विपक्ष के सदस्यों की नसीहत दी थी पर प्रश्नकाल शुरू होते ही हंगामा होने लगा जिस पर सदन की कार्यवाही पहले आधे घंटे के लिए स्थगित की गई। वहीं, दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसने कभी भी लोकतांत्रिक परंपराओं या व्यवस्थाओं का सम्मान नहीं किया। कल विधानसभा के अंदर पार्टी ने जिस तरह का व्यवहार किया, उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। सपा के सदस्यों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बोलने का अवसर तक नहीं दिया। इससे पता चलता है कि उनका मकसद सिर्फ सदन का समय बर्बाद करना है। उन्हें राज्य की जनता की कोई परवाह नहीं है। जो लोग बाबर या बाबरी मस्जिद का समर्थन करते हैं, उन्हें श्री राम जन्मभूमि से जुड़े मामलों पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। चाहे वह चढ़ावे, दान या मंदिर के निर्माण से जुड़ा मामला हो। समाजवादी पार्टी को 2027 में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और उसका पूरी तरह से खत्म होना तय है।विधानसभा अध्यक्ष की अपील और नसीहत का सदस्याओं पर असर नहीं हुआ। प्रश्नकाल शुरू होते ही सदन में फिर से हंगामा हो गया जिस पर सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गई।राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर सदन के बाहर प्रदर्शन कर रहे सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि राम मंदिर में चंदा चोरी भाजपा और आरएसएस के लोगों ने करवाई है। वहीं, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के मदरसों पर दिए गए बयान पर उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस के घरों में ही आतंकवादियों को ट्रेनिंग दी जाती है। ये लोग वहीं पर रहते हैं वहीं ट्रेनिंग दी जाती है।

गृह मंत्री संसद से क्यों भाग रहे हैं?: राहुल गांधी से लेकर खरगे तक ने अमित शाह पर उठाए सवाल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया कि वे छात्र प्रदर्शन से जुड़े मुद्दे पर संसद में जवाब देने से बच रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य विपक्षी नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री से सदन में आकर बयान देने तथा चर्चा कराने की मांग दोहराई।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मानसून सत्र के दौरान संसद नहीं आ रहे हैं, क्योंकि वह छात्रों के खिलाफ हुई बर्बरता के दोषी हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, देश के गृह मंत्री मुंह छुपा रहे हैं क्योंकि वो छात्रों के गुनहगार हैं। इस दौरान उनके हाथ में कथित तौर पर पैलेट गन से घायल हुए एक शख्स की तस्वीर है। विपक्ष लगातार 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद चलो मार्च के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई का मुद्दा उठा रहा है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में आकर बयान दें।खरगे ने कहा, हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सदन में आएं। वे अपना बयान दें, हम चर्चा के लिए तैयार हैं। समाधान चर्चा से ही निकलेगा। उन्होंने कहा, संसद की कार्यवाही शुरू हुए कई दिन हो चुके हैं। उन्हें सदन में आना चाहिए। सदन में नहीं आकर वे संसद का अपमान कर रहे हैं।वहीं, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में आने से क्यों बच रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत में वेणुगोपाल ने कहा, गृह मंत्री संसद से क्यों भाग रहे हैं? उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही में जारी गतिरोध खत्म करने का समाधान सरकार को ही निकालना होगा। विपक्षी सांसदों ने बुधवार को भी किया प्रदर्शन- उन्होंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई और बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान कथित रूप से एके-47 के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। बुधवार को राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में प्रेरणा स्थल स्थित गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला।इस दौरान उन्होंने 20 जुलाई को सीजेपी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई, अयोध्या राम मंदिर में चंदे के कथित गबन और अन्य मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

संपादकीय Editorial

Parliamentary decorum being broken

Amidst massive uproar and heated exchanges, the Anti-Paper Leak Amendment Bill was passed by voice vote in the Lok Sabha. During the more than 10-hour debate, 45 MPs presented their views and even introduced amendments, but the bill was not even put to a vote. This is a subtle and crucial requirement of democracy. Bills should not be passed with a din of "yes" or "no," but unfortunately and ironically, this is the parliamentary system that still prevails. The monsoon session of Parliament was expected to be tumultuous, as, in addition to the paper leaks, issues like the theft of donations and offerings at the Ram Temple, the E-20 ethanol controversy, delimitation, and defection were all matters of public concern, democratic integrity, and the faith of the common man. It was also expected that these issues of public concern would be discussed in Parliament in a meaningful, structured manner. However, the paper leak bill itself exposed the petty and contradictory politics of our MPs. Even ruling party MPs are not innocent in this matter. One such MP made such vulgar and obscene remarks about the country's first Prime Minister, the late Jawaharlal Nehru, that we are morally inappropriate to even write about them. This is not only shameful but also demeans parliamentary conduct and debate. On the other hand, Leader of the Opposition Rahul Gandhi, without any evidence or verification, stated that Home Minister Amit Shah had ordered the use of pellet guns and brutal lathicharge on protesting students. The country's "so-called" Home Minister was shaken by the young student protests and was afraid, hence not present in the House. What was the need for the Leader of the Opposition to use such allegations and words? Moreover, he also stated that the final decision on firing and lethal lathicharge during protests and demonstrations rests with the Home Minister or the Prime Minister. How can we comment on such parliamentary ignorance? Such orders can only be given by the magistrate present on the spot (DM or SDM). In emergency situations, the DCP or ACP of the police are also granted magisterial powers. Now, what kind of parliamentary decorum and contradiction is this that the opposition admits that protesting youth were attacked with spiked sticks and pellet guns were also fired. Yet, while responding to the debate on the bill, Dr. Jitendra Singh, Minister of State in the Prime Minister's Office, categorically denied the use of pellets. However, he did acknowledge the use of tear gas shells.

The reality is that the AIIMS medical report confirms the use of pellets, but the report of the hospital cited by the Delhi Police does not confirm the use of pellets. Have the dignity, ethics, and purity of even the medical professional become contradictory, thus violating decorum? Another noteworthy fact is that the Deputy Commandant of the CRPF's special force, the RAF, recorded the incident of pellet gun firing in the Parliament Street Police Station diary. It is being reported that 12 RAF personnel were carrying pellet guns. The government's statement is different, the Leader of the Opposition's allegations are extremely serious, and the records of the Delhi Police and security forces reveal a completely different truth! Shouldn't there be decorum and a code of conduct within these systems of the country? However, the Lok Sabha debated the bill, passed it, and after passing the Rajya Sabha, it will become law with the President's approval. However, many important questions remain. For example, why was the education budget reduced from 4% of GDP to 2.6%? Why has the average education in India become 10.

Don't just know, learn to live... Only that knowledge is great that translates into practice.

True knowledge isn't merely about gathering information, but about recognizing the right thoughts and implementing them in life. Good knowledge enhances a person's personality, character, and decision-making. Therefore, choosing knowledge wisely and enriching oneself with good books and noble thoughts is the foundation for success in life. Mere information isn't enough to advance in life. What's essential is that we embrace true knowledge and put it into practice. Knowledge that humbles us and brings us closer to the truth is true knowledge.Why is knowledge called the food of the soul? - Knowledge is the food of the soul. Just as the body needs pure, nutritious, and balanced food to remain healthy and strong, our soul, mind, and intellect are nourished by good thoughts and true knowledge. Just as bad food makes the body sick, similarly, if the mind is filled with delusion, lies, greed, and ignorance, a person's character, thinking, and life begin to deteriorate. Therefore, knowledge isn't just something to be acquired, but it also requires recognition and understanding. Why isn't it right to accept every piece of information?

There are numerous sources of knowledge available in the world. Every day, many people claim to teach us something new, but not every piece of information is true, and not every idea is useful for our lives. A person who blindly accepts everything unknowingly fills their mind with thoughts that can confuse their decisions and outlook on life. Therefore, true wisdom lies not in accumulating more information, but in recognizing which knowledge will enrich our lives and which can lead us astray. How do thoughts change our personality?

The impact of knowledge isn't limited to our memory; it directly impacts our personality and soul. While the quality of food can be assessed before we consume it, the moment we accept an idea, it begins to change our thinking. Gradually, those thoughts begin to shape our decisions, behavior, and future direction. This is why we must use our discernment to choose the thoughts and knowledge that guide us on the right path.What is the importance of good books in life? Good books play a crucial role in this selection. Great books are not just collections of words, but they embody the essence of generations' experiences, struggles, truth, and humanity. Reading them broadens our perspective, deepens our thinking, and strengthens our self-confidence. Books also inspire us to become better human beings.

How to identify true knowledge? - Mere information is not enough to progress in life. What is essential is to embrace true knowledge and put it into practice. Knowledge that makes us humble, brings us closer to the truth, teaches respect for others, and empowers us to make right decisions even in difficult circumstances is true knowledge. Such knowledge illuminates a person's personality and gives meaning to their lives. Therefore, nourish your mind with noble thoughts every day. Read books that awaken hope in you, strengthen your character, and inspire you to follow the path of truth, compassion, and wisdom. Sutra: Why become a connoisseur?

Knowledge is not merely an accumulation of information, but rather the light that awakens the consciousness hidden within. Meaningful and true knowledge gives a person the vision to distinguish between right and wrong, the courage to make the right decisions in adverse circumstances, and the inspiration to make life purposeful. True knowledge is that which is assimilated after being tested on the touchstone of wisdom.

A bridge worth ?16 crore cracked in 16 days: The first rains revealed the truth, and the Dehradun accident raised questions about quality and accountability.

The collapse of a bridge in Dehradun, built at a cost of approximately ?16 crore, just 16 days after its inauguration, is not just a construction defect but a serious question mark on our development system. It is essential to hold those responsible accountable and take strict action against them. The collapse of a section of the newly constructed bridge over the Tons River near Nanda Ki Chowki in Dehradun, the capital of Uttarakhand, just 16 days after its inauguration, in the first monsoon rains, represents not just a failure of a single construction project but a serious question mark on the development model, which sees a rush to inaugurate projects, but often neglects their quality, durability, and accountability.

This incident is also shocking because the monsoon, which is considered a normal natural cycle that occurs every year, is being cited as the primary cause of this incident. How can this argument be accepted when hundreds of years old bridges in the country still stand strong? In the Himalayan state of Uttarakhand, heavy rains, landslides, and sudden river surges are common. Therefore, when designing any bridge, basic technical parameters such as rainfall, river flow, soil strength, and drainage are taken into account. It is noteworthy that this new bridge has been rebuilt to replace the old bridge that was washed away in the devastating floods of September 2025. Despite this, it is certainly a matter of regret if lessons have not been learned from past experiences. After all, this is not an isolated case. Whether it's the collapse of a portion of a bridge under construction over the Ganges in Bihar, the collapse of sections of the Bundelkhand Expressway and Purvanchal Expressway in Uttar Pradesh during the first rains, or the appearance of large potholes on the Delhi-Dehradun Expressway within a few months, these are all indications that construction quality and monitoring standards are not being fully adhered to in the country. It's worth noting that a recent road audit in Madhya Pradesh also revealed substandard materials, faulty engineering, contracts awarded to blacklisted contractors, and completion certificates being issued even for incomplete projects. Policymakers must understand that a "use-and-throw" approach, unlike consumer goods, does not work in infrastructure projects. The pothole on the Dehradun bridge symbolizes the deep gap in our construction system, which cannot be filled with cement and concrete alone. If a bridge worth ?16 crore can't last even 16 days, questions are bound to arise. The Chief Minister has already ordered an investigation into the Dehradun case. Now it is necessary to fix accountability of the responsible people and take strict action against them.

Look back: The color of life changes, not its beauty; learning to live deeply is life's most beautiful chapter.

The most beautiful chapter in life isn't the one in which we run the fastest; it's the one in which we learn to live most deeply. Old age is that chapter. Old age doesn't come suddenly. It doesn't change life in a single stroke, like a storm, but rather descends upon us with quiet, patient, and almost invisible steps over time. Each passing day adds something new to our experience, thinking, and personality. We may initially ignore its signs, but one day we realize that advancing age has become a part of our identity. It's at this moment that we understand that just as youth once resided within us in the form of energy, ambition, and dreams, experience, patience, and maturity have now taken its place. The color of life changes, not its beauty. Only our perspective changes. With old age, we also have to face many of our unfulfilled dreams, desires, and hopes. Some dreams have to be let go, some have to be reshaped, and some have to be lived in new meaning. But herein lies the greatest secret of life. As the scope of life narrows, its depth increases. Relationships, moments, and feelings that once seemed ordinary become, over time, the most precious possessions. Indeed, old age is the art of living life in a new sense, enriching one from within. This is the time when a person leaves behind a legacy of experiences, more than their achievements. When they show the way to others, discover new forms of themselves, and reach truths that the hustle and bustle of youth never allows them to see. If youth gives life speed, old age gives it direction. If youth gives the courage to dream, old age gives the wisdom to understand the meaning of those dreams. Ultimately, the most beautiful chapter of life is not the one in which we run the fastest; but the one in which we learn to live the most deeply. Old age is that chapter.

इंसानी खून लगा मुंह, कहीं आदमखोर न बन जाए तेंदुआ, नब्बे पिंजरे लगे, इस तरह करता है शिकार; बढ़ गया खतरा

सिर और गर्दन की हड्डियां चबाईं, फाड़ दिया पेट और सीना, तेंदुए ने संतोष के चेहरे का मांस भी नोच-नोचकर खाया

मुरादाबाद मंडल में नब्बे पिंजरे लगे हैं, लेकिन तेंदुए आजाद घूम रहे हैं। रामपुर जनपद में 19, मुरादाबाद में 23 पिंजरे लगे हैं। वन विभाग के मुताबिक, तेंदुआ बेहद धैर्यवान और घात लगाकर हमला करने वाला शिकारी माना जाता है। वह पहले झाड़ियों, गन्ने के खेत या ऊंची घास में छिपकर शिकार की गतिविधि पर नजर रखता है। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के गांव लालापुर पीपलसाना में तेंदुए ने खेत पर काम कर रहीं संतोष देवी की जान ले ली। शरीर के कई हिस्सों को खा लिया था। वन विभाग के अफसरों का कहना है कि यदि कोई तेंदुआ इंसान का शिकार कर उसे भोजन के रूप में स्वीकार कर ले, तो उसके दोबारा हमला करने का खतरा काफी बढ़ जाता है। यही वजह है कि ऐसे मामलों में वन विभाग विशेष सतर्कता बरतता है और संबंधित तेंदुए की पहचान कर उसे पकड़ने का अभियान चलाता है। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में तेंदुआ इंसानों से दूरी बनाए रखना पसंद करता है। अधिकांश हमले अचानक आमना-सामना होने, घिर जाने, शावकों की रक्षा करने या बच निकलने की कोशिश में होते हैं। लेकिन यदि किसी तेंदुए ने इंसान को मारकर उसका मांस खा लिया, तो वह इंसान को अपेक्षाकृत आसान शिकार के रूप में पहचान सकता है। ऐसी स्थिति में उसके उसी क्षेत्र में फिर से हमला करने की आशंका बढ़ जाती है।वन विभाग की मानव-तेंदुआ संघर्ष प्रबंधन गाइडलाइन के अनुसार ऐसे तेंदुए को सामान्य वन्यजीव नहीं माना जाता। उसकी पहचान कर पिंजरे, कैमरा ट्रैप और विशेष निगरानी के जरिए पकड़ना प्राथमिकता होती है। ऐसे मामलों में पकड़े गए तेंदुए को दोबारा जंगल में छोड़ने की बजाय नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाती है, क्योंकि उसके दोबारा मानव पर हमला करने का जोखिम बना रहता है।डीएफओ डॉ. विनय कुमार का कहना है कि हर हमला आदमखोरी का मामला नहीं होता। कई घटनाएं अचानक आमना-सामना होने की वजह से होती हैं। इसलिए प्रत्येक घटना का वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण किया जाता है। कैमरा ट्रैप, पैरों के निशान, हमले के तरीके और अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह तय किया जाता है कि संबंधित तेंदुए का हमला केवल रक्षात्मक था या उसने इंसान को शिकार बनाया। इसी आधार पर आगे की रणनीति तय की जाती है।

इस तरह शिकार करता है तेंदुआ-

वन विभाग के मुताबिक तेंदुआ बेहद धैर्यवान और घात लगाकर हमला करने वाला शिकारी माना जाता है। वह पहले झाड़ियों, गन्ने के खेत या ऊंची घास में छिपकर शिकार की गतिविधि पर नजर रखता है। मौका मिलते ही पीछे या बगल से तेज छलांग लगाकर गर्दन या गले पर पकड़ बनाता है।कुछ ही सेकंड में शिकार को गिराकर उसका दम घोंट देता है। वह गर्दन के भीतर तक दांत गढ़ा देता है जिससे व्यक्ति की जगुलर वींस और कैरोटिड आर्टिरिक्स टूट जाती है। श्वसन नली खत्म हो जाती है और व्यक्ति की मौत हो जाती है। इसके बाद वह शिकार की खोपड़ी में पंजे धंसा कर गहरे जख्म बना देता है। इसके बाद वह शिकार को घसीटकर सुरक्षित स्थान पर ले जाता है, ताकि बिना किसी व्यवधान के भोजन कर सके।

नब्बे पिंजरे लगे...तेंदुए घूम रहे आजाद-

मुरादाबाद मंडल में तेंदुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। सोमवार को ठाकुरद्वारा में खेत पर काम कर रही एक महिला की जान तेंदुए ने ले ली थी जबकि बुधवार को बिजनौर में नगीना के गांव सिंगनी में आठ साल के बच्चे को मार डाला। तेंदुओं के बढ़ते हमलों के बीच वन विभाग प्रभावित इलाकों में पिंजरे भी लगा रहा है। 90 पिंजरे इस समय लगे हुए हैं लेकिन तेंदुए फिर भी आजाद घूम रहे हैं। सबसे ज्यादा 49 पिंजरे तो बिजनौर जिले में ही लगे हैं। जबकि रामपुर में 19 और मुरादाबाद में 23 पिंजरे लगाए गए हैं।

अगर मुरादाबाद की बात की जाए ठाकुरद्वारा, कांठ, डिलारी और भोजपुर क्षेत्र में पिंजरों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। अकेले ठाकुरद्वारा में अब सात की जगह 10 पिंजरे लगाए जा चुके हैं। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तेंदुओं को पकड़ना आसान नहीं है। गन्ने के कई किलोमीटर तक फैले खेत, रामगंगा और कोसी नदी का किनारा, झाड़ियां और खेतों के बीच बने प्राकृतिक रास्ते उन्हें लगातार सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध करा रहे हैं।

एक स्थान पर हलचल होने पर तेंदुआ रातोंरात कई किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंच जाता है। यही कारण है कि पिंजरों में बकरी बांधने और ड्रोन से निगरानी के बावजूद सफलता नहीं मिल रही। ठाकुरद्वारा क्षेत्र के लालापुर पीपलसाना, राई भूड़, चंदूपुरा, पानूवाला, गोपीवाला, कालेवाला, मलकपुर सेमली, नारायणपुर छंगा, मधुपुरी, शेरपुर पट्टी और आसपास के गांवों में वन विभाग की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। कई स्थानों पर कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं, जबकि ड्रोन से भी निगरानी कराई जा रही है। तेंदुए के पैरों के निशान मिलने पर आसपास के गांवों में मुनादी कर लोगों को खेतों में अकेले न जाने की सलाह दी जा रही है। वन विभाग ने प्रभावित गांवों में रेस्क्यू टीमों की संख्या भी बढ़ाई है। बिजनौर, मुरादाबाद और रामपुर की टीमें जरूरत पड़ने पर संयुक्त अभियान चला रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जिस क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधि मिलती है, वहां तत्काल पिंजरा लगाने के साथ निगरानी शुरू कर दी जाती है। जरूरत पड़ने पर दूसरे जिलों से भी पिंजरे मंगाए जा रहे हैं।

हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बढ़ते हमलों के बीच केवल पिंजरे लगाना पर्याप्त नहीं है। तेंदुए कई बार पिंजरों के आसपास तक आते हैं, लेकिन उनमें फंसते नहीं हैं। इससे गांवों में रात के समय लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। किसान भी समूह बनाकर खेतों में जाने को मजबूर हैं।

इन गांवों में लगे हैं पिंजरे- मुरादाबाद के गोपालपुर-बहादरपुर, दरियापुर रोड, खलीलपुर कद्दीम, चेतरामपुर रोड, सलेमपुर, मल्लीवाला, राई भूड़, मधुपुरी, नारायणपुर छंगा, पानूवाला, आलमगीरपुर, मलकपुर सेमली, चंदूपुरा, गोपीवाला, कालेवाला, पाड़ला, लालापुर पीपलसाना, फरीदनगर, बैंतखेड़ी, रामनगर खागूवाला, मुढ़ा मोहम्मदपुर, ढकिया जट, टांडा अफजल, रतनपुर कलां, रतनपुर खुर्द समेत 45 गांव। रामपुर में स्वार, मिलक, शाहबाद, टांडा, कैमरी, बिलासपुर, सैफनी समेत 12 गांव। अमरोहा में हसनपुर, नौगावां सादात, बछरायूं, धनौरा, रहरा, अलीपुर कलां, पतेई भूड़ समेत 10 गांव। संभल के गुन्नौर, जुनावई, रजपुरा, बहजोई, असमोली समेत 10 गांव और बिजनौर के अमानगढ़, धामपुर, नहटौर, बढ़ापुर, मंडावर, किरतपुर, हल्दौर, अफजलगढ़, रेहड़, शेरकोट, मुस्सेपुर, मुकर्रमपुर, टीप, भागूवाला समेत 40 से ज्यादा गांवों में तेंदुओं की दहशत है। इनमें से कई गांवों में वन विभाग ने लोगों को अलर्ट किया है।चूंकि तेंदुए क्षेत्राधिकार के मामले में आपस में लड़ जाते हैं इसलिए यदि आसपास तेंदुआ पकड़ा जाता है तो यह तय माना जाएगा कि यह वही तेंदुआ है जिसने महिला पर हमला किया। मंडल के गावों में करीब 90 पिंजरे लगे हैं। हमारे पास ट्रैंक्यूलाइजर गन भी हैं लेकिन उनका इस्तेमाल तब किया जाता है जब वन्य जीव कहीं फंस जाए और उसका रेस्क्यू करना हो।- आदर्श कुमार, मंडलीय वन संरक्षक

मुरादाबाद में तेंदुआ महिला संतोष के सिर और गर्दन की हड्डियां तक चबा गया था। तेंदुए ने संतोष का पेट और सीना फाड़ दिया था। चेहरे का मांस भी नोच-नोचकर खा गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से इस बात का खुलासा हुआ है।

मुरादाबाद में तेंदुए के हमले में मारी गई संतोष का दो डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। तेंदुए ने संतोष के सिर और गर्दन की हड्डियां चबा लीं थीं। चेहरे का मांस भी नोच-नोचकर खाया। सीना और पेट तो पूरी तरह से फाड़ दिया था। हाथ और कंधे से भी मांस नोचा है। मंगलवार को जारी हुई लालापुर पीपलसाना निवासी संतोष के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम किया गया है। ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के लालापुर पीपलसाना गांव निवासी संतोष देवी (45) पर सोमवार की दोपहर को तेंदुए ने उस वक्त हमला कर दिया था जब वह गन्ने के खेत में काम कर रही थी। मां को बुलाने खेत पर पहुंची रविता ने देखा कि तेंदुए ने उसकी मां की गर्दन पकड़ रखी है और खेत के भीतर ले जा रहा है। रविता ने शोर मचा दिया। आसपास के लोग पहुंचे और तेंदुए को घेरने की कोशिश की लेकिन वह शव छोड़कर भाग गया था। तेंदुए ने पूरी तरह से खा लिया था चेहरा- तेंदुए ने संतोष का सिर और चेहरा खा लिया था। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक चेहरा पूरी तरह से खा लिया था। सिर की हड्डियां तक चबा लीं। गर्दन की कई हड्डियां तो गायब मिलीं हैं। पेट और सीने का भी मांस खा लिया है।

पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। तेंदुए की तलाश में वन विभाग टीम जुटी है। ड्रोन और अन्य संसाधनों के जरिये तेंदुए को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पिंजरे और जाल भी लगाए गए हैं।

संतोष पर तेंदुए का हमला-

मुरादाबाद के लालापुर पीपलसाना गांव के जंगल में सोमवार की सुबह खेत में पशुओं के हरे चारे के लिए गन्ने की पत्ती उतार रही महिला संतोष देवी (45) पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए ने महिला का सिर और चेहरा खा लिया। सीने से भी मांस नोचा है। मां को बुलाने खेत पर गई बेटी ने तेंदुए को देखा तो शोर मचा दिया। आसपास के ग्रामीण मौके की तरफ दौड़े तो तेंदुआ शव छोड़कर भाग गया। पुलिस और वन विभाग के अफसरों का कहना है कि तेंदुए ने महिला का सिर और चेहरा खा लिया है। शरीर के दूसरे हिस्सों से भी मांस नोचा है। वहीं इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम के लिए शव नहीं उठने दिया। लोगों ने तेंदुए को पकड़ने और महिला के परिजनों को आर्थिक मदद की मांग की। मौके पर पहुंचे एसडीएम अभिषेक कुमार सिंह ने लोगों को हर मदद करने का आश्वासन देकर शांत किया। एसपी ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि लालापुर पीपलसाना गांव निवासी वीरेंद्र सिंह सैनी की पत्नी संतोष देवी सोमवार की सुबह करीब नौ बजे अपने खेत में पशुओं के लिए गन्ने से पत्ती उतारने गईं थीं।

खेत के बीच में जाकर वह हरी पत्ती उतार रहीं थीं। इसी दौरान खेत में छिपे तेंदुए ने महिला पर पीछे से हमला कर दिया। हल्ला तब मचा जब संतोष देवी की बेटी रविता अपनी मां को बुलाने करीब साढ़े बारह बजे खेत पर गई। रविता ने जो बताया उसके मुताबिक जब वह खेत पर पहुंची तो तेंदुआ उसकी मां के ऊपर बैठा था और मांस नोच रहा था।

वह वहां से भागी और शोर मचा दिया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के खेतों पर काम कर रहे ग्रामीण मौके पर आ गए। तेंदुए को घेरने की भी कोशिश की लेकिन वह भाग गया। कुछ ही देर में यहां बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। इन लोगों ने घटना को लेकर नाराजगी जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

शव भी नहीं उठने दिया। किसी तरह पुलिस शव को पिकअप में रखकर जब गांव में पहुंची तो ग्रामीणों ने पिकअप को रोक लिया। परिवार को आर्थिक मदद और तेंदुए को पकड़ने की मांग गूंजने लगी। मौके पर पहुंचे एसडीएम अभिषेक कुमार सिंह ने ग्रामीणों को हर संभव मदद का भरोसा देकर शांत किया।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद मंडल में चुनावी हलचल: गुजुफ्टा का पहला अध्यक्ष चुनने मैदान में उतरेंगे 550 प्रोफेसर; इस बड़े कॉलेज में होगी वोटिंग

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (गुजुफ्टा) के पहले चुनाव की अधिसूचना इसी सप्ताह जारी होगी, जिसमें मुरादाबाद मंडल के 17 कॉलेजों के 550 शिक्षक 11 पदों के लिए मतदान करेंगे। यह चुनाव सितंबर के पहले सप्ताह में होगा, जो विश्वविद्यालय गठन के बाद गुजुफ्टा का पहला लोकतांत्रिक अभ्यास होगा।गुरु जंभेश्वर विवि की स्थापना के बाद नए संगठन का पहला होगा चुनाव- इसी सप्ताह अधिसूचना और सितंबर के प्रथम सप्ताह में चुनाव की तैयारीगुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के चुनाव के लिए इसी सप्ताह अधिसूचना जारी होगी। चुनाव में एक अध्यक्ष, सचिव, तीन उपाध्यक्ष व तीन संयुक्त मंत्री, एक कोषाध्यक्ष व दो फेडरेशन आफ यूनिवर्सिटी एंड कालेज टीचर्स एसोसिएशन (फुपुक्टा) प्रतिनिधि समेत 11 पदों पर चुनाव होना है। सितंबर के पहले सप्ताह में बिजनौर के वर्धमान कॉलेज में चुनाव होगा। विश्वविद्यालय गठन के बाद यह पहला चुनाव गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ का होगा। अभी तक एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के अधीन मुरादाबाद मंडल के कालेज होने के चलते रुहेलखंड यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (रुटा) में आते थे। लेकिन, गुरु जंभेश्वर विवि के नाम पर गुजुफ्टा नाम होगा।इसमें पांचों जिलों के 17 कॉलेज के करीब 550 शिक्षक चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। इसमें वित्तविहीन व राजकीय महाविद्यालय चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा नहीं होंगे। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ चुनाव को लेकर तैयारियां फुपुक्टा स्तर पर तेज हो गई हैं।गुजुफ्टा के चुनाव को लेकर मेरठ में फुपुक्टा की बैठक में निर्णय हो चुका है कि बिजनौर के वर्धमान कालेज में इसका पहला चुनाव होगा। इसको लेकर दावेदारों ने अपने आवेदन फुपुक्टा को भेजने शुरू कर दिए हैं। हिंदू कालेज, केजीके कालेज, वर्धमान कालेज समेत अन्य महाविद्यालयों से भी चुनाव लड़ने को दावेदारी पेश की है। फुपुक्टा अधिसूचना जारी करने के साथ ही चुनाव अधिकारी तय कर देगा। फुपुक्टा के नेतृत्व में होने वाले चुनाव कराने को जो अधिकारी नियुक्त होंगे, वह अधिसूचना जारी होते ही सक्रिय हो जाएंगे। चुनाव पूरी तरह पारदर्शी कराने पर फुपुक्टा का जोर है। उम्मीद है कि तीन दिन में ही चुनाव की अधिसूचना जारी हो जाएगी। गुजुफ्टा का चुनाव होने के बाद ही गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्वाचित पदाधिकारियों की जानकारी दी जाएगी। मंडल में 17 महाविद्यालय- बिजनौर = वर्धमान कालेज बिजनौर, आरबीडी कालेज, आरएसएम कालेज धामपुर, एसबीडी कालेज धामपुर, शाहू जैन कालेज नजीबाबाद, गुलाब सिंह हिंदू कालेज चांदपुर। मुरादाबाद = हिंदू कालेज, केजीके कालेज, गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कालेज, दयानंद गर्ल्स डिग्री कालेज, गांधी स्मारक महाविद्यालय सुरजननगर, हरिश्चंद्र डिग्री कालेज, डीएसएम कालेज, कांठ अमरोहा = जेएचएस कालेज संभल = एमजीएम कालेज, बीजीएम कालेज, एसएमपीजी कालेज चंदौसी गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ का पहला चुनाव निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कराया जाएगा। सभी संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर मिलेगा।- प्रो.वीरेंद्र सिंह चौहान, अध्यक्ष, फुपुक्टा, अधिसूचना जारी होते ही चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया जाएगा। निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सभी चरण पूरे कर सितंबर के पहले सप्ताह में मतदान कराया जाएगा। - प्रो. प्रदीप सिंह, महामंत्री, फुपुक्टा

सपा भी सर्वे की राह पर, साइकिल की सवारी को सामने आए इतने नाम; भाजपा को टक्कर देने के लिए ये है खास प्लान

समाजवादी पार्टी भी सर्वे की राह पर है। दो चरणों में साइकिल की सवारी के लिए कई नाम सामने आए हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक सपा के लिए अभी तक दो सर्वे हो चुके हैं। ये दोनों सर्वे जिले में भाजपा के कब्जे वाली सीट मुरादाबाद नगर और कुंदरकी पर कराए गए हैं। अब तक के दो सर्वे में नगर और कुंदरकी सीट के लिए लोगों के बीच आठ दावेदारों के नामों पर सबसे ज्यादा चर्चा रही।विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन के लिए मुरादाबाद में भाजपा की तरह सपा भी सर्वे की राह पर है। अभी तक हुए सर्वे के दो चरणों में साइकिल की सवारी के लिए नगर और कुंदरकी सीट पर आठ दावेदारों के नाम सामने आ चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि सर्वे करने वाली एजेंसी के सामने नगर सीट से जो चार नाम सामने आए हैं, उनमें तीन हिंदू हैं। सर्वे के इस फीडबैक को अगर सपा टिकट के फैसले में आधार बनाती है और नगर विधानसभा क्षेत्र से सपा किसी हिंदू को आजमाती है तो भाजपा के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती है। सियासत में धीरे-धीरे व्यापक सोच को तरजीह दे रही सपा ने मुरादाबाद संसदीय क्षेत्र में रुचिवीरा को उम्मीदवार बनाकर भी विपक्षियों को चौंका दिया था। दूसरे दलों का मानना था कि मुरादाबाद से सपा का उम्मीदवार हिंदू हो ही नहीं सकता। तब विपक्षियों को चकमा देते हुए सपा ने मुरादाबाद में रुचिवीरा का टिकट भी अंतिम समय में तय किया था। मुस्लिमों के साथ-साथ हिंदुओं में भी लोकप्रिय पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन को मैदान से हटाकर रुचिवीरा को उम्मीदवार बनाया था। इस सबके बीच चुनाव परिणाम रुचिवीरा के पक्ष में आने से यह संदेश भी गया था कि सांगठनिक स्तर पर ही नहीं, सपा के कोर वोट बैंक कहे जाने वाले मुस्लिमों की सोच भी बदल रही है। सपा के लिए अभी तक दो सर्वे हुए- पार्टी सूत्रों के मुताबिक सपा के लिए अभी तक दो सर्वे हो चुके हैं। ये दोनों सर्वे जिले में भाजपा के कब्जे वाली सीट मुरादाबाद नगर और कुंदरकी पर कराए गए हैं। अब तक के दो सर्वे में नगर और कुंदरकी सीट के लिए लोगों के बीच आठ दावेदारों के नामों पर सबसे ज्यादा चर्चा रही। इनमें मुरादाबाद नगर सीट से पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी, जिलाध्यक्ष जयवीर यादव, लाखन सिंह सैनी और राहुल सिंह के नाम शामिल हैं। जबकि कुंदरकी सीट से पूर्व विधायक हाजी रिजवान, पूर्व विधायक अकीलुर्रहमान, जिला पंचायत सदस्य नावेद बबलू और अनीस चौधरी के नाम चर्चाओं में रहे। सर्वे में नगर सीट से भले ही उक्त नामों की चर्चा रही हो लेकिन इसके अलावा कुछ और सपा नेताओं के नाम भी हैं, जो टिकट के मजबूत दावेदारों में हैं। फिलहाल जिला स्तर पर अभी टिकट के दावेदारों के आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं। प्रदेश स्तर से इस बाबत कोई दिशा निर्देश भी जारी नहीं किए गए हैं।- सर्वे प्रदेश स्तर से कराए जाते हैं, जो गोपनीय होते हैं। सर्वे करने वाली एजेंसी सीधे प्रदेश नेतृत्व के संपर्क में रहती है। विधानसभा टिकट के लिए अभी आवेदन लेने की शुरुआत नहीं हुई है। - जयवीर यादव, जिलाध्यक्ष, सपा नगर सीट के दावेदारों में ये भी शामिल- नगर सीट से सपा के टिकट के दावेदारों में अतहर अंसारी, सरताज अंसारी, तालिब अंसारी, इमरान, बीके सैनी, जयपाल सिंह सैनी, राजीव सिंघल, नरेश शर्मा के नाम शामिल हैं। वहीं, कुंदरकी सीट से जिला पंचायत सदस्य राबुल पाशा, आशकार पाशा के नाम भी चर्चा में हैं। कुंदरकी सीट पर दो सांसदों की भी नजर- कुंदरकी सीट पर दो सांसदों की भी नजर है। ये दोनों सांसद दूसरे जिले से ताल्लुक रखते हैं। इसमें एक सांसद अपने पिता और दूसरे सांसद अपने बेटे को चुनाव लड़ाना चाहते हैं। वहीं, एक विधायक की भी कुंदरकी सीट पर निगाह है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

6 अगस्त से तिरंगे में रंगेगा बरेली, डीएम का बड़ा प्लान, घर-घर लहराएगा राष्ट्रध्वज

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। आज़ादी के जश्न को यादगार बनाने के लिए बरेली में 6 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान-2026 पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि स्कूल-कॉलेजों में विशेष कार्यक्रम, विकास खंडों में तिरंगा रैलियां और सरकारी भवनों, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन समेत प्रमुख स्थलों पर तिरंगा सजावट व लाइटिंग की जाएगी। अटल आवासीय विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्रों और सरकारी संस्थानों में भी राष्ट्रभक्ति से जुड़े आयोजन होंगे।

अभियान तीन चरणों में चलेगा। पहले चरण में तिरंगा थीम पर सजावट, रंगोली और आभार पत्र कार्यक्रम होंगे। दूसरे चरण में तिरंगा महोत्सव, मेले, सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। तीसरे चरण में सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों, घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया जाएगा तथा प्रभात फेरी, तिरंगा रैली और देशभक्ति कार्यक्रम होंगे।

जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराएं और www.harghartiranga.com पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड कर इस राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा बनें।

गन्ना सर्वे में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, उप गन्ना आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। उप गन्ना आयुक्त राजेश मिश्र की अध्यक्षता में बुधवार को गन्ना भवन सभागार में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में ग्राम स्तरीय गन्ना सर्वे, सट्टा प्रदर्शन, किसानों की आपत्तियों के निस्तारण तथा आगामी पेराई सत्र की तैयारियों की समीक्षा की गई। उप गन्ना आयुक्त ने निर्देश दिए कि सर्वे सट्टा प्रदर्शन के दौरान प्राप्त आपत्तियों का निष्पक्ष निस्तारण संबंधित अभिलेखों, एसजीके और राजस्व रिकॉर्ड के मिलान के आधार पर किया जाए, ताकि पात्र किसानों के हित सुरक्षित रहें। जिन क्षेत्रों में सर्वे की प्रगति धीमी है, वहां कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी चीनी मिलों को आगामी पेराई सत्र से पहले रिपेयर और मेंटेनेंस कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने, गन्ना सर्वेक्षण का कार्य निर्धारित समय में समाप्त करने तथा नए पात्र किसानों का सदस्य पंजीकरण शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।बैठक में कृषि विभाग को गन्ना किसानों का कृषि यंत्रों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण बढ़ाने और अनुदान का लाभ दिलाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। साथ ही सभी चीनी मिलों को गन्ना ढुलाई वाहनों में जीपीएस लगाने और ट्रैकिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आवारा पशु को बचाने के प्रयास में टेंपो पलटा, एक गंभीर घायल भेजा बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के मोहल्ला माली निवासी नबी हसन अपने परिवार के साथ टेंपो से मीरगंज चेहल्लुम देखने जा रहे थे। कि रास्ते में धनेटा रेलवे फाटक के पास अचानक सामने आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में नबी हसन गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि टेंपो चालक मनीश के हाथ में चोट आई इसके अलावा मीरगंज निवासी उस्मान अली व टेंपो में सवार अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। घायल नबी हसन को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बरेली के एक निजी अस्पताल रेफर कर भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

बागवानी से बढ़ेगी किसानों की आमदनी, सरकार दे रही 40-50% तक सब्सिडी

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली । किसान भाइयों के लिए राहत और कमाई बढ़ाने हेतु उद्यान विभाग ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत कई महत्वाकांक्षी योजनाओं के लक्ष्य जारी कर दिए हैं। अब किसान पपीता, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, संकर शाकभाजी, प्याज-लहसुन, मशरूम उत्पादन, फेंसिंग, पावर ट्रिलर, ईको फ्रेंडली लाइट ट्रैप और सब्जियों के मचान जैसी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। जिला उद्यान अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि इन योजनाओं में किसानों को 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पासपोर्ट फोटो, मोबाइल नंबर तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के किसानों के लिए जाति प्रमाण पत्र आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों का चयन %प्रथम आवक, प्रथम पावक% के आधार पर किया जाएगा। इसलिए इच्छुक किसान जल्द से जल्द आवेदन करें। अधिक जानकारी के लिए किसान जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, सौ फुटा रोड, डेलापीर, बरेली में संपर्क कर सकते हैं या मोबाइल नंबर 9151066859 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बरेली जंक्शन पर रुकेगी 25 अतिरिक्त ट्रेने, छह विशेष गाड़ियां भी चलेंगी

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। छह से आठ अगस्त तक आयोजित होने वाले आला हजरत के उर्स के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष व्यवस्था की है। इस दौरान बरेली जंक्शन पर 25 ट्रेनों को अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। इनमें जंक्शन पर न रुकने वाली छह सुपरफास्ट गाड़ियां भी शामिल हैं। 20 ट्रेनों के ठहराव का समय बढ़ाया गया है। आठ अगस्त को बरेली-सहारनपुर, इज्जतनगर-लालकुआं और बरेली सिटी -पीलीभीत के बीच तीन जोड़ी विशेष अनारक्षित गाड़ियों का संचालन भी किया जाएगा।

सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि उर्स के दौरान 13308 गंगा-सतलुज एक्सप्रेस, 12356 अर्चना एक्सप्रेस, 12470 जम्मूतवी-कानपुर सेंट्रल सुपरफास्ट, 15212 जननायक एक्सप्रेस, 15904 चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस, 15128 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस, 14618 जनसेवा एक्सप्रेस, 14230 योग नगरी ऋषिकेश-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस को उर्स के दौरान जंक्शन पर पांच मिनट का ठहराव दिया जाएगा। 14673 शहीद एक्सप्रेस, 14649 सरयू-यमुना एक्सप्रेस, 14617 जनसेवा एक्सप्रेस, 12317 कोलकाता-अमृतसर अकाल तख्त एक्सप्रेस, 12325 कोलकाता-नांगल डैम एक्सप्रेस, 18103 जलियांवाला बाग एक्सप्रेस भी इस सूची में शामिल है।

नायब तहसीलदार को भेजा सड़ा हुआ केक, अब होगी जांच

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। एक बेकरी संचालक ने नायब तहसीलदार को सड़ा केक पहुंचवा दिया। अधिकारी के शिकायत करने पर फोन पर उससे अभद्रता भी की। अधिकारी ने तत्काल खाद्य विभाग को सूचित किया। बुधवार को खाद्य विभाग की टीम बेकरी में जाकर जांच पड़ताल और नमूने संग्रहित करेगी। मीरगंज तहसील में पोस्टेड नायब तहसीलदार अरविंद कुमार की मंगलवार को कोर्ट में गवाही थी। वो कोर्ट अपना कार्य निपटाने के लिए आए हुए थे। संग्रह अमीन सदर तहसील प्रेम राज के मुताबिक इसी दौरान अधिकारी ने रामपुर गार्डन स्थित एक बेकरी से केक ऑर्डर किया। जब केक आया तो उसमें से दुर्गन्ध आ रही थी साथ ही खाने में खटास भी थी।अधिकारी ने तत्काल बेकरी संचालक से फोन पर बात की और उसे केक के बारे में जानकारी दी। इस पर बेकरी संचालक ने फोन पर ही अधिकारी से अभद्रता कर दी। घटना के बाद खाद्य विभाग को घटना की जानकारी दी गई। इतनी देर में बेकरी संचालक को भी जानकारी मिल गई। उसने अधिकारी से फोन कर कहा कि वो पहचान नहीं पाया था और फ्रॉड समझकर उसने गलत भाषा का प्रयोग किया। संग्रह अमीन के मुताबिक खाद्य विभाग की टीम बुधवार को बेकरी जाकर वहां पर रखे खाद्य पदार्थों की जांच पड़ताल करेगी।

बरेली में सायरन बजाकर किया गया जागरूकता अभियान, हवाई हमले से बचाव की तैयारी

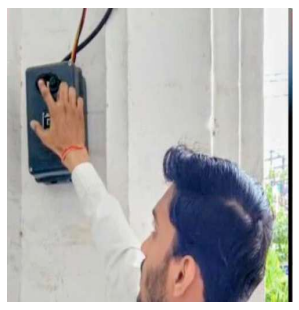

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली । बुधवार को सुबह ठीक 11 बजे अचानक कई इलाकों में चेतावनी सायरनों की आवाज गूंजने लगी। हालांकि घबराने की कोई बात नहीं थी, क्योंकि यह नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा हर महीने की जाने वाली नियमित मॉक ड्रिल का हिस्सा था। हवाई हमले जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को सतर्क और जागरूक रखने के उद्देश्य से गढ़ी चौकी, थाना किला, सिटी पोस्ट ऑफिस, कोहाड़ापीर चौकी, थाना कोतवाली, महिला थाना, थाना बारादरी, थाना प्रेमनगर, केंद्रीय कारागार, आईवीआरआई, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज और कलेक्ट्रेट स्थित नागरिक सुरक्षा कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर लगे इलेक्ट्रिक सायरनों को ध्वनित किया गया।

नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुसार प्रत्येक माह की 5 तारीख को, और यदि उस दिन अवकाश हो तो अगले कार्य दिवस पर, इन सायरनों का परीक्षण किया जाता है। इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा या हवाई हमले जैसी आपात स्थिति में आमजन को सतर्क रहने और सही समय पर सही कदम उठाने के लिए तैयार करना है।

नगर पालिका में 32.50 लाख का घोटाले में चेयरमैन ईओ व ठेकेदार फंसे

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। नगर पालिका परिषद आंवला में विकास कार्यों में वित्तीय घपले और तकनीकी अनियमितताओं का मामला सामने आया है। प्राविधिक परीक्षक (टीएसी) ग्राम्य विकास विभाग की विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर पालिका में कुल 32.50 लाख रुपये की वसूली और कटौती प्रस्तावित की गई है। जांच रिपोर्ट में पालिका अध्यक्ष आबिद अली, तत्कालीन अधिशासी अधिकारी (ईओ) जितेंद्र कुमार, संबंधित अभियंताओं और ठेकेदार को दोषी पाया गया है। मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने आगे की कार्रवाई के लिए रिपोर्ट नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव को भेज दी है।

बताया गया है कि सितंबर 2025 में सभासद सूरज पाल मौर्य, सचिन गुप्ता, रानी देवी, माया, अनुप्रिया आदि ने मंडलायुक्त से निर्माण कार्यों में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। जिसके बाद मंडलायुक्त ने कमेटी बनाकर जांच कराई। टीएसी के प्राविधिक परीक्षक राजेश कुमार ने बीते दिनों स्थलीय निरीक्षण किया और दस्तावेजों की गहनता से पड़ताल में बड़े पैमाने पर धांधली की पुष्टि हुई। हालांकि, जांच समिति ने शिकायत के कुछ बिंदुओं पर राहत भी दी है। पुरानी इंटरलॉकिंग टाइल्स को बेचकर गबन करने का आरोप जांच में पूरी तरह गलत पाया गया। वहीं अध्यक्ष की टीवी ओर से अपने रिश्तेदार को ठेका देने और श्मशान भूमि के कार्यों में धन गबन के आरोप भी साक्ष्यों के अभाव में खारिज कर दिए गए।

विदेशी नौकरी का झांसा पड़ा महंगा, साइबर पुलिस ने लौटाए 8.49 लाख

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगों ने नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया धिमर निवासी अनमोल सिंह से ?8.49 लाख की ठगी कर ली। शिकायत मिलने पर थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार पांडे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एमएचए के साइबर पोर्टल IC4, संबंधित बैंकों और अन्य एजेंसियों की मदद से मनी ट्रेल का पता लगाया। तकनीकी सहयोगी आरक्षी विवेक कुमार के सहयोग से पूरी 8,49,199 की राशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।साइबर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बैंक खाते, ओटीपी, सीवीवी और यूपीआई पिन जैसी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

सृजन संवाद अभियान का शुभारंभ, विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, कानून और आत्मरक्षा का दिया प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। विद्यार्थियों को कानूनों की जानकारी, साइबर अपराधों से बचाव और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शिवपुरी पुलिस द्वारा बुधवार को जिला उत्कृष्ट विद्यालय-01 में सृजन संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति ने कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें आत्मरक्षा, अपराधों की रोकथाम और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

मध्यप्रदेश पुलिस, स्कूल शिक्षा विभाग एवं NFPA के तकनीकी सहयोग से संचालित इस अभियान के तहत विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, विभिन्न कानूनों, बाल अधिकार, जेजे एक्ट, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, सड़क सुरक्षा, साइबर सेफ्टी और नारकोटिक्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए सुरक्षित भविष्य के लिए कानूनों की जानकारी, आत्मरक्षा के महत्व और डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में जिले के विद्यालयों में संचालित किए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता, सुरक्षा-बोध, उत्तरदायी नागरिकता की भावना विकसित करना तथा पुलिस और समाज के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक अनिल कवरेती, रक्षित निरीक्षक गायत्री इटोरिया, सूबेदार भानु प्रताप, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

CEIR पोर्टल के जरिये बरेली पुलिस ने 91 लाख के 455 गुम मोबाइल लौटाए , चेहरों पर लौटी मुस्कान

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत भारत सरकार के CEIR पोर्टल और आधुनिक सर्विलांस तकनीक की मदद से जुलाई 2026 में 455 गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 91 लाख रुपये बताई गई है। बरामद किए गए सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपे गए, जिससे लोगों के चेहरों पर खुशी लौट आई। इस अभियान में जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस, साइबर टीम और सर्विलांस सेल ने संयुक्त रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बेहतरीन कार्य करने वाले कोतवाली, प्रेमनगर, कैंट, किला, सीबीगंज, इज्जतनगर सहित कई थानों की साइबर टीमों को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। पुलिस के अनुसार, जनवरी 2025 से जुलाई 2026 तक कुल 6,180 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए जा चुके हैं। वहीं जनवरी 2026 से जुलाई 2026 तक 3,048 मोबाइल बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 6 करोड़ 9 लाख 60 हजार रुपये आंकलन की गई

राजकीय मेडिकल कॉलेज में नशा मुक्त भारत एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच/बदायूं राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूं के प्रधानाचार्य डॉ. शिव के निर्देशन में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के अंतर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेज के ओपीडी परिसर में एमबीबीएस बैच-2022 के छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा।उन्होंने कहा कि नशे का सेवन अनेक गंभीर बीमारियों, विशेषकर कैंसर, का प्रमुख कारण है। पान मसाला, गुटखा एवं सुपारी जैसे उत्पादों के सेवन से मुख कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अनेक नई समस्याएं उत्पन्न करता है तथा परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक संकट की ओर धकेल देता है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों का प्रभावी मंचन किया। नाटक के माध्यम से मरीजों, तीमारदारों एवं उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य डॉ. शिव कुमार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं, चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं आमजन को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर नशा मुक्त युवा, विकसित भारत, नशा मुक्त, खुशहाल भारत तथा नशा मुक्त भारत के नारों के साथ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी दिलाया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश पति तिवारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सह-आचार्य एनाटॉमी विभाग डॉ. मुकत्याज हुसैन ने दिया। कार्यक्रम में डॉ. लालेन्द्र यादव, डॉ. गरिमा, डॉ. शिवानी सहित अन्य संकाय सदस्य एवं एमबीबीएस के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डीएम ने ग्राम जटा पहुंचकर गंगा के जलस्तर का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच/बदायूँ जिलाधिकारी अवनीश राय ने तहसील दातागंज के ग्राम जटा का स्थलीय निरीक्षण कर गंगा नदी के जलस्तर का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों से वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने डीएम को अवगत कराया कि गंगा नदी का जलस्तर लगातार कम हो रहा है, जिससे क्षेत्र में स्थिति सामान्य है। डीएम ने सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहकर निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने ग्रामवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उन्हें सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान की भरपाई के लिए अधिक से अधिक किसान बीमा कराएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्बंधित अधिकारी अपने स्तर से भी किसानों को योजना के संबंध में जागरूक करें।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन वितरण की स्थिति की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि तटीय क्षेत्रों में खाद्यान्न सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बनी रहे और किसी भी पात्र व्यक्ति को असुविधा न हो।

अधिकारियों ने अवगत कराया कि ग्राम जटा को जाने वाला मार्ग अभी पूर्ण रूप से आवागमन के लिए नहीं खुल सका है। वहीं अटैना से ग्राम जटा जाने वाले मार्ग पर स्थित शेखूपुर पुलिया की स्थिति सामान्य हो रही है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मार्ग की सतत निगरानी रखने तथा आवागमन पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही यातायात प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने बाढ़ खंड एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंगा नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इससे पहले पीएसी डीआईजी कीरत राठौर सहित अन्य अधिकारियों ने डीएम व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अन्य सम्बंधित अधिकारियों के साथ महिला पी0ए0सी0 बटालियन में बनाए जा रहे आवासीय व अनावासीय परिसरों के निर्माण की स्थिति को जाना। इसके अलावा डीएम व एसएसपी ने सैजनी स्थित एचपीसीएल के पराली प्रबंधन प्लांट का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी दातागंज विनोद कुमार, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड उमेश चन्द्र, बाढ़ खंड के सहायक अभियंता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

250 कांवड़ियों का दूसरा जत्था उज्जैन महाकाल के लिए रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। सावन माह में बाबा महाकाल के जलाभिषेक के लिए बुधवार को कस्बे से 250 कांवड़ियों का दूसरा जत्था महंत हरदेव गंगवार और बनवारी लाल के नेतृत्व में उज्जैन के लिए रवाना हुआ। बरेली रेलवे स्टेशन पर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने कांवड़ियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें विदाई दी। समाजसेवी रमन जायसवाल ने सभी कांवड़ियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया, जबकि भाजपा विधायक प्रतिनिधि संजय चौहान ने भी स्टेशन पहुंचकर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। जत्थे के रवाना होते समय स्टेशन परिसर हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल के जयकारों से गूंज उठा। महंत हरदेव गंगवार ने बताया कि बृहस्पतिवार को जत्था ओंकारेश्वर पहुंचेगा। शुक्रवार को नर्मदा नदी से जल भरने के बाद कांवरिये करीब 145 किलोमीटर की पांच दिवसीय पदयात्रा कर उज्जैन पहुंचेंगे और बाबा महाकाल का जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान खेमपाल गंगवार, मुदित प्रताप सिंह, सौरभ शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। यात्रा को लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

शामली में एक लाख का इनामी फुरकान मुठभेड़ में ढेर, कैराना पलायन मामले में भी था आरोपी, 20 मुकदमे थे दर्ज

कैराना निवासी बदमाश फुरकान पर हत्या, रंगदारी जैसे गंभीर मुकदमे दर्ज थे और वह मुकीम काला गैंग का सक्रिय सदस्य था। साल 2014 में उसने व्यापारी नेता विनोद सिंघल की दिनदहाड़े हत्या की थी, जिसके बाद कैराना से पलायन शुरू हुआ था। शामली जिले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कैराना निवासी एक लाख रुपये के इनामी बदमाश फुरकान को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। फुरकान कुख्यात मुकीम काला गिरोह का सक्रिय सदस्य था और कैराना पलायन प्रकरण का मुख्य आरोपी माना जाता था। उसके खिलाफ हत्या, गैंगस्टर, रंगदारी सहित 20 से अधिक गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज थे।पुलिस को बुधवार दोपहर मुखबिर से सूचना मिली कि फुरकान झिंझाना क्षेत्र के गांव रंगाना के जंगल में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसकी घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखते ही फुरकान ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में फुरकान गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।फुरकान पिछले लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वह कैराना क्षेत्र में अपनी आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात था। विशेष रूप से, कैराना से हुए पलायन के मामले में उसका नाम प्रमुखता से सामने आया था। इसके अलावा, वह मुकीम काला जैसे खूंखार गैंगस्टर के गिरोह से जुड़ा था, जिसकी वजह से उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि और भी गंभीर हो जाती है।20 से ज्यादा मुकदमे थे दर्ज- पुलिस के अनुसार, फुरकान के खिलाफ हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी वसूलना और गैंगस्टर एक्ट के तहत 20 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश बना रही थी, लेकिन वह पुलिस को चकमा देने में सफल रहा था। उसकी आपराधिक गतिविधियों ने क्षेत्र में भय का माहौल बना रखा था। मुकीम काला गैंग के सदस्य शामली के साथ ही मेरठ, मुजफ्फरनगर और आसपास के जिलों में भी सक्रिय हैं। पुलिस की कार्रवाई और भविष्य- इस एनकाउंटर को पुलिस की एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि फुरकान जैसे अपराधियों का अंत कानून के शासन को मजबूत करता है। पुलिस आगे भी ऐसे अपराधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगी ताकि आम जनता सुरक्षित महसूस कर सके।फुरकान ने दिनदहाड़े की थी व्यापारी नेता विनोद सिंघल की हत्या- एसपी एनपी सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी बदमाश फुरकान निवासी मोहल्ला आर्यपुरी कस्बा कैराना मारा गया। फुरकान ने 2014 में कस्बा कैराना में व्यापारी नेता विनोद सिंघल की रंगदारी न देने पर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद कैराना में दहशत बनने के बाद व्यापारियों ने पलायन करना शुरू कर दिया था।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे टोल फ्री, एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हटाए गए, बरेली के नवरतन संभालेंगे

कानपुर एक्सप्रेसवे में तकनीकी खामियों और निर्माण संबंधी अनियमितताओं के बाद सरकार ने प्रोजेक्ट डायरेक्टर को हटाकर नए अधिकारी की नियुक्ति की है। मरम्मत कार्य पूरा होने तक टोल वसूली पर रोक लगा दी गई है। अब नए अधिकारी की निगरानी में सड़क को सुरक्षित और निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे पर अब यात्रियों को टोल नहीं देना पड़ेगा। घटिया सड़क निर्माण के चलते मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। इसके पूरा होने तक टोल फ्री रहेगा। इतना ही नहीं एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर नकुल प्रकाश वर्मा को हटा दिया गया है तथा पूर्व परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया को चार्जशीट दी गई है। निर्माण एजेंसी पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड को अयोग्य घोषित कर दिया गया। थीम इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को डिबारमेंट नोटिस जारी किया गया है।

दरअसल, बीती 13 जुलाई को लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस का उद्घाटन हुआ। 63 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे को बनाने पर नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया एनएचएआई ने 42 सौ करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। खास बात यह है कि एक्सप्रेसवे पर एक तरफ का टोल 275 रुपये प्रति चार पहिया वाहन है। जोकि देश में सबसे महंगा है। पिछले बीस दिनों में एक्सप्रेसवे पर पांच जगहों पर सड़क धंस चुकी है। इससे एनएचएआई के साथ-साथ सरकार की भी किरकिरी हो रही थी। इसे लेकर बुधवार को गोमतीनगर स्थित एनएचएआई की लखनऊ यूनिट में प्रेसवार्ता आयोजित की गई।एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी गौतम विशाल ने बताया कि प्रोजेक्ट डायरेक्टर नकुल प्रकाश वर्मा को लापरवाही के चलते हटाया गया है। उनकी जगह बरेली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर नवरतन को

लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नकुल को मुख्यालय भेज दिया गया है। इसके अलावा एनएचएआई के पूर्व परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया को चार्जशीट दी गई है। इनके कार्यकाल के दौरान ही एक्सप्रेसवे का अधिकांश निर्माण कार्य हुआ था।

सड़क धंसने के मामले में इससे पूर्व निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर विवेक कुमार गुप्ता, स्वतंत्र अभियंता के टीम लीडर सुरेंद्र कुमार तथा रेजिडेंट इंजीनियर यतेंद्र कुमार को परियोजना से हटाया गया। उन्हें दो साल के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय(मोर्थ), एनएचएआई तथा नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड(एनएचआईडीसीएल) की किसी भी परियोजना में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।निर्माण एजेंसी को खर्च करने होंगे तीन करोड़

क्षेत्रीय अधिकारी गौतम विशाल ने आगे बताया कि एक्सप्रेसवे का निर्माण करने वाली एजेंसी पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड को अयोग्य करार दिया गया है। इससे भविष्य में पीएनसी एनएचएआई के टेंडरों में हिस्सा नहीं ले पाएगी। साथ ही गारंटी जब्त करने, तीन साल तक उत्तरदायी कर्मचारियों पर प्रतिबंध और एजेंसी की रेटिंग डाउनग्रेड करने को लेकर भी कार्रवाई की गई।

इसके अलावा एजेंसी को निर्देशित किया गया है अपने खर्च पर करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से सड़क के प्रभावित हिस्से की मरम्मत कराएं। एजेंसी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। साथ ही थीम इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को भी भविष्य की एनएचएआई परियोजनाओं में भाग लेने से प्रतिबंधित करने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

आईआईटी विशेषज्ञ की निगरानी में तकनीकी जांच- लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे पर सड़क की जांच लेजर प्रोफिलोमीटर से की जा रही है। यह सतह, उसके खुरदरेपन आदि की करीने से जांच करती है। इसके अलावा आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर केएस रेड्डी के नेतृत्व में पेवमेंट विशेषज्ञों की एक टीम को विस्तृत तकनीकी जांच करने के लिए नियुक्त किया गया है। विशेषज्ञ टीम घटना के मूल कारणों का परीक्षण करेगी तथा उपयुक्त सुधारात्मक उपायों के बारे में बताएगी। टीम हफ्तेभर में रिपोर्टदेगी।

टोल फ्री, निर्माण एजेंसी से होगी भरपाई-क्षेत्रीय अधिकारी ने यह भी बताया कि लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे पर सड़क निर्माण कार्य जारी है। काम पूरा होने तक टोल कलेक्शन पूरी तरह बंद रहेगा।

यात्री निःशुल्क एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे होने वाले टोल राजस्व के नुकसान की वसूली निर्माण एजेंसी पीएनसी इंफ्राटेक से वसूली जाएगी।

टक्कर के बाद बाइक को 500 मीटर तक घसीट ले गई कार, हादसे का वीडियो वायरल

बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र में पीलीभीत बाइपास पर सतीपुर चौराहे के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद कार में बाइक फंस गई। चालक कार रोकने की बजाय बाइक को करीब 500 मीटर तक घसीट ले गया। हादसे का वीडियो वायरल हो रहा है। बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र में पीलीभीत बाइपास रोड पर तेज रफ्तार कार ने सोमवार

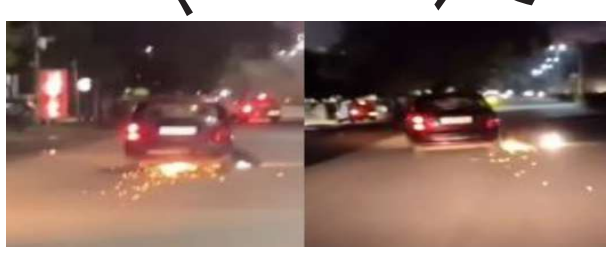

रात एक बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक बाइक को करीब 500 मीटर तक घसीटता ले गया, जिससे सड़क पर चिंगारियां निकलती रहीं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।यह घटना सोमवार रात करीब 11:30 बजे बारादरी थाना क्षेत्र के सतीपुर चौराहे के पास हुई। कार की चपेट में आने के बाद बाइक उसमें फंसकर सड़क पर घिसटती रही और उससे लगातार चिंगारियां निकलती रहीं। पीछे चल रहे दो बाइक सवार युवाओं ने इस पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि कार में फंसी बाइक घिसट रही है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। फुटेज के आधार पर कार और उसके चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि टक्कर के बाद बाइक सवार कहां है। उसकी मौजूदा हालत के बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिली है।पुलिस की जांच और कार्रवाई- पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है। कार चालक की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में जल्द ही कोई ठोस जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

पीटने वाले पर केस दर्ज : बंधक बनाकर व आंखों पर पट्टी बांधकर मारपीट जान से मारने की धमकी , नटेरन पुलिस ने किया झूठा केस दर्ज

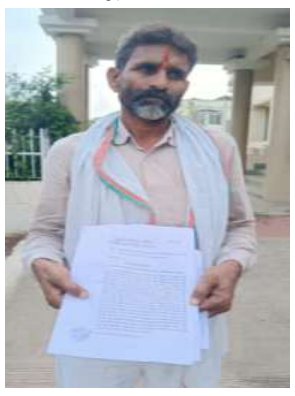

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा ग्राम घटवाई माता चबूतरा बेलानारा रोड़ के पास पहले से घात लगाये बैठे आरोपी ज्ञानसिंह लोधी (पेशे से सरकारी शिक्षक हैं फरियादी के साथ गाली गलौज और मारपीट की घटनास्थल पर पुलिस तो पहुंची लेकिन दूर से तमाशा देखती रही ये लोग मेरे साथ मारपीट करते रहे इसी बीच ज्ञान सिंह के साथ आये कौशिक, खिलानसिंह, इन तीनो के साथ अन्य अज्ञात 12-13 लोग ने मुझे बंधक बना लिया एवं मुझे ज्ञानसिंह के खेत के मकान पर चार पहिया वाहन कार में पटक कर ले गये वहां पर उन्होने मेरे साथ बहुतबूरी तरह से मारपीट की एवं मारपीट करते हुये मेरा विडियो बनाते रहे एवं कईप्रकार के झूठे आरोप बुलवाते रहे मुझे बूरी तरह से घायल कर दिया फिर मुझे ज्ञानसिंह थाने नटेरन में ले गये एवं मेरे ही खिलाफ झूठी रिपोर्ट लिखवाने लगे फिर मुझे घायल अवस्था में देखकर पुलिस मुझे नटेरन अस्पताल इलाज के लिये ले गई और वहां से मुझे विदिशा रिफर कर दिया। मैने इन सारी घटना की रिपोर्ट भी उसी दिन थाना नटेरन में कराई परन्तु पुलिस नटेरन ने मेरी स्थिति को देखते हुए भी कोई आरोपी के विरूद्ध कोई भी कानूनी कार्यवाही नही की एवं उल्टा ही मेरे ऊपर प्रकरण दर्ज कर दिये एवं मेरी कोई भी बात पुलिस नटेरन ने नही लिखी। इन लोगो के डर के कारण मे अपने खेत पर व अपने घर पर नही जा पा रहा हू ये लोग कभी भी मेरी हत्या कर सकते है घटना के संबंध मे एसपी महोदय को सारी घटनाक्रम बताया और मुझे आश्वासन एसपी ने दिया जांच कर समुचित कार्रवाई की जाएगी

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से श्री नायडू से की सौजन्य भेंट

9 अगस्त को रीवा-कोलकाता एवं रीवा-भोपाल विमान सेवा होगी प्रारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रदीप कुमार तिवारी कार्यकारी संपादक/ रीवा, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 9 अगस्त से प्रारंभ होने जा रही रीवा-कोलकाता एवं रीवा-भोपाल (72 सीटर) विमान सेवाओं के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में हवाई संपर्क का लगातार विस्तार हो रहा है। रीवा से कोलकाता एवं भोपाल के लिए शुरू होने वाली नई विमान सेवाएं विंध्य क्षेत्र में उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन एवं निवेश की संभावनाओं को नई गति देंगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि बेहतर हवाई संपर्क से विंध्य क्षेत्र राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से और अधिक सशक्त रूप से जुड़ेगा तथा स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, उद्यमियों और पर्यटकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।रीवा एयरपोर्ट विंध्य क्षेत्र के विकास का बन रहा है मजबूत आधार- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट, जो कभी केवल एक हवाई पट्टी थी, आज प्रधानमंत्री मोदी की उड़ान योजना से विकसित होकर विंध्य क्षेत्र के विकास का मजबूत आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि अल्प समय में रीवा एयरपोर्ट ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, दिल्ली और रायपुर जैसी प्रमुख शहरों से हवाई संपर्क स्थापित होने से क्षेत्र को व्यापक लाभ मिला है। करते हुए कहा कि बढ़ती जन-आवश्यकताओं को देखते हुए 9 अगस्त से रीवा को कोलकाता एवं भोपाल के लिए नई विमान सेवाओं की सौगात मिलने जा रही है। यह नई हवाई सेवाएं विंध्य क्षेत्र को देश के पूर्वी भाग सहित अन्य महत्वपूर्ण शहरों से और अधिक प्रभावी रूप से जोड़ेंगी।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/ मायावती अहिरवार/ विदिशा जिले के ब्लॉक नटेरन की ग्राम पंचायत खैराई में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत की बैठक आयोजित की गई बैठक में टीबी उन्मूलन के विषय ओर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के दिशा निर्देशों पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई जिसमें टीबी की बीमारी के बारे में जानकारी टीबी के लक्षण, जांच , उपचार बचाव सावधानियों के बारे में बताया गया साथ ही सरकार से मिलने वाली नि:शुल्क पोषण योजना, आदि विषय पर बात की गई साथ ही भारत सरकार के द्वारा जो टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान चलाया गया है उसके दिशा निर्देश के ऊपर चर्चा हुई कि हम हमारी पंचायत को कैसे वर्ष 2026 में भी टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बना सकते है साथ ही GPDP को लेकर भी बात की गई के इंडिकेटर पर चर्चा की गई ओर बताया गया कि टीबी कोई लाईलाज बीमारी नहीं है ये पूर्ण रूप से ठीक हो सकती है लक्षण दिखे तो तुरंत नजदीकी आयुष्मान मंदिर जाए ओर अपनी जांच करवाए यदि सही समय पर जॉच और उपचार लिया जाए या पूर्ण किया जाए तो टीबी की बीमारी ठीक हो सकती है उक्त जानकारी पिरामल स्वास्थ्य मैनेजमेंट एंड रिचार्ज इंस्टीट्यूट से श्री ईश्वर सिंह डांगी कम्युनिटी कॉर्डिनेटर विदिशा के द्वारा बैठक में बताया गया बैठक में सरपंच श्रीमति राधा बाई सरपंच प्रतिनिधि अवतार सिंह रघुवंशी सचिव बालकृष्ण विश्वकर्मा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ ग्रामवासी उपस्थित रहे।

डेयरी क्षेत्र में निवेश, आधुनिक प्रसंस्करण एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति-2022 का अधिकाधिक लाभ उठाकर जालौन को डेयरी उद्योग का प्रमुख केंद्र बनाने का आह्वान - जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में डेयरी उद्यमियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियों (एमपीसी), दुग्ध उत्पादकों, सहकारी संस्थाओं, निजी निवेशकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति-2022 के विभिन्न प्रावधानों, अनुदानों एवं निवेश की संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

साथ ही राज्य स्तर, मुख्यालय स्तर एवं जनपद स्तर पर विभिन्न समितियों के माध्यम से परियोजनाओं का मूल्यांकन, अनुमोदन, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाएगा तथा तकनीकी विशेषज्ञों का समूह भी गठित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादकों, एफपीओ, मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियों, स्वयं सहायता समूहों, सहकारी समितियों तथा निजी उद्यमियों को इस नीति का लाभ दिलाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि जालौन में डेयरी उद्योग की व्यापक संभावनाएं हैं और यदि उद्यमी इस नीति के अंतर्गत निवेश करते हैं तो किसानों को उनके दूध का बेहतर मूल्य मिलेगा, दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता बढ़ेगी, मूल्य संवर्धित उत्पादों का उत्पादन होगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। गोष्ठी में उपस्थित निवेशकों एवं उद्यमियों को नीति के विभिन्न प्रावधानों, आवेदन प्रक्रिया, पात्रता, वित्तीय सहायता, तकनीकी सहयोग एवं शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी गई तथा उनके प्रश्नों का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उप कृषि निदेशक एसके उत्तम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, डेयरी उद्यमी, एफपीओ, दुग्ध उत्पादक, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

डेयरी कॉन्क्लेव में 28 लाभार्थियों को वितरित किए गए चयन-पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच/बदायूँ: मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दुग्धशाला विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से एक दिवसीय जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत चयनित 28 लाभार्थियों को चयन-पत्र वितरित किए तथा योजनाओं का लाभ लेकर दुग्ध उत्पादन एवं पशुपालन को आय का सशक्त माध्यम बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला नोडल अधिकारी नन्द बाबा दुग्ध मिशन सहित अन्य जनपदीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कॉन्क्लेव के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र उझानी के विशेषज्ञ डॉ0 रोशन सिंह ने उपस्थित लाभार्थियों को उन्नत डेयरी प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों एवं वैज्ञानिक पशुपालन की जानकारी दी।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भावुक: बोले- राजनीति अंतिम चरण में, तय करूंगा इस कुर्सी के योग्य हूं या नहीं

विधानसभा अध्यक्ष सदन में हुए हंगामे पर भावुक हो गए और कहा कि उन्हें आत्ममंथन करना होगा कि वे इस पद के योग्य हैं या नहीं। उन्होंने सदन की गरिमा बनाए रखने पर चिंता जताई। दूसरी ओर विपक्ष ने शिक्षक भर्ती और राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर विधानसभा परिसर में प्रदर्शन जारी रखा।उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना सदन की कार्यवाही के दौरान भावुक हो गए। मंगलवार को सदन में हुए हंगामे पर नाराजगी और पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मेरे राजनीतिक जीवन का यह अंतिम चरण है। अब मुझे गंभीरता से विचार करना होगा कि विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी के योग्य हूं या नहीं। मेरे मन में पीड़ा है। पहली बार लगा कि या तो हमारे प्रयास में कहीं कमी रह गई या फिर डॉ. भीमराव आंबेडकर की यह बात सही है कि कमी संविधान में नहीं, बल्कि उसे चलाने वाले व्यक्तियों में होती है।

उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों से सदन को गरिमा और संवाद के साथ चलाने का प्रयास किया, लेकिन हाल की घटनाओं के बाद आत्ममंथन करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। मैं गंभीरता से विचार करूंगा कि जो कुछ मैंने किया वह उचित था या नहीं। जल्द ही इस संबंध में निर्णय लूंगा।यूपी विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित-यूपी विधानसभा में लगातार हंगामा होता रहा। इस बीच कई महत्वपूर्ण विधेयक बिना चर्चा के ही पास हो गए। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की मांग की जिस पर सभापति ने सहमति दे दी।केशव बोले- सपा ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान नहीं किया उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसने कभी भी लोकतांत्रिक परंपराओं या व्यवस्थाओं का सम्मान नहीं किया। कल विधानसभा के अंदर पार्टी ने जिस तरह का व्यवहार किया, उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। सपा के सदस्यों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बोलने का अवसर तक नहीं दिया। इससे पता चलता है कि उनका मकसद सिर्फ सदन का समय बर्बाद करना है। उन्हें राज्य की जनता की कोई परवाह नहीं है। जो लोग बाबर या बाबरी मस्जिद का समर्थन करते हैं, उन्हें श्री राम जन्मभूमि से जुड़े मामलों पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। चाहे वह चढ़ावे, दान या मंदिर के निर्माण से जुड़ा मामला हो। समाजवादी पार्टी को 2027 में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और उसका पूरी तरह से खत्म होना तय है। सीएम के भाषण के बीच विधानसभा में जबरदस्त हंगामा, सपा विधायक निलंबित- विधानसभा में मंगलवार को जबरदस्त हंगामा हुआ। शोर शराबे के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वक्तव्य दिया। सपा विधायक सचिन यादव को निलंबित कर दिया गया। हंगामा बढ़ता देख विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सदन की कार्यवाही बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।निलंबन के बाद धरने पर बैठे सचिन- विधानसभा से निलंबन के बाद सचिन यादव बाहर निकले। वह चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरने पर बैठ गए। कुछ देर बाद वहां अन्य विधायक भी आ गए। विधायकों ने आरोप लगाया कि वे चंदा चोरी के मसले पर चर्चा चाहते हैं, लेकिन सरकार इस मुददे पर बोलने को तैयार नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

अब घर बैठे ऑनलाइन बनवाएं ट्रेड लाइसेंस, नगर पालिका शिवपुरी ने शुरू की नई सुविधा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। नगर पालिका परिषद शिवपुरी ने शहर के व्यवसायियों और दुकानदारों की सुविधा के लिए ट्रेड लाइसेंस (व्यापार अनुज्ञप्ति) की ऑनलाइन व्यवस्था शुरू कर दी है। अब व्यापारी ई-नगर पालिका पोर्टल के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर ट्रेड लाइसेंस बनवा सकेंगे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि ट्रेड लाइसेंस छोटे और बड़े सभी प्रकार के व्यापारियों के लिए आवश्यक दस्तावेज है। ऑनलाइन आवेदन के लिए आवेदक को अपना फोटो, दुकान या प्रतिष्ठान का फोटो, आधार कार्ड, संपत्तिकर की रसीद, जलकर की रसीद, किराए की दुकान होने पर किरायानामा तथा शपथ पत्र अपलोड करना होगा।

नगर पालिका ने व्यापारियों से इस सुविधा का लाभ उठाकर समय पर ट्रेड लाइसेंस बनवाने की अपील की है। अधिक जानकारी या आवेदन संबंधी सहायता के लिए नगर पालिका परिषद शिवपुरी की राजस्व शाखा में श्री जितेन्द्र तोमर से संपर्क किया जा सकता है।

लड़की एक, दोस्त तीन, दारू पार्टी और चैटिंग, इसलिए दोस्त ने हिस्ट्रीशीटर को क्रूरता से मारा, फोड़ दीं आंखें

यूपी के बांदा जिले में प्रेमिका से चैट करने पर बौखलाए जिगरी दोस्त ने ही हिस्ट्रीशीटर की हत्या की थी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। बांदा में हिस्ट्रीशीटर की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। प्रेमिका से चैट करने से बौखलाए जिगरी दोस्त ने ही हिस्ट्रीशीटर की हत्या की थी। पुलिस के अनुसार, तीन दोस्त शराब पी रहे थे। नशे में हिस्ट्रीशीटर ने आरोपी दोस्त को उसकी प्रेमिका की चैट अपने मोबाइल में दिखा दी थी, अवैध संबंध की भी बात कही। इसी से गुस्साए आरोपी ने साथी के साथ मिलकर ईंट और डंडे से उसका चेहरा कूंचकर मार दिया। पुलिस ने आरोपी प्रधान के मौसेरे भाई सागर व उसके मित्र संजू को गिरफ्तार किया है। इस मामले का खुलासा दोनों हत्यारोपियों ने मंगलवार को पुलिस के सामने किया है। पुलिस ने घटनास्थल से आला कत्ल ईंट और डंडा बरामद कर लिया है। उधर, पोस्टमार्टम में हिस्ट्रीशीटर के पूरे चेहरे में 10 चोटें पाई गईं। आंखें भी फोड़ दी गईं थीं। मटौंध थाना क्षेत्र के गांव दुरेड़ी में तिंदवारी के गांव अमलीकौर के दामिनताला निवासी धर्मेंद्र सिंह (40) की गांव के प्रधान के निर्माणाधीन मकान के पास ईंट व डंडे से कूंचकर सोमवार की रात करीब नौ बजे हत्या कर दी गई थी। इसके लिए पुलिस ने आरोपी दुरेड़ी गांव निवासी प्रधान के मौसेरे भाई सागर व उसके मित्र संजू को गिरफ्तार किया है। आरोपी सागर ने पुलिस को बताया कि धर्मेंद्र मौरंग डंप का व्यवसाय करता था। सागर की तीन माह से उसकी काफी घनिष्ठता हो गई थी। धर्मेंद्र चरित्र का अच्छा नहीं था। हिस्ट्रीशीटर के कई महिलाओं से थे संबंध- उसके कई महिलाओं से संबंध थे। आरोप है कि धर्मेंद्र उसकी प्रेमिका पर भी गंदी निगाह रखने लगा था। उसने रात में शराब के नशे में यह बात बताई तो वह आपे से बाहर हो गया और धर्मेंद्र को मार डाला। पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या के समय सात लोग मौजूद थे। सातों ने मिलकर शराब पी थी। शराब पीने के बाद चार लोग मौके से चले गए थे। मौके पर सिर्फ धर्मेंद्र, हत्यारोपी दुरेड़ी गांव का सागर और उसका साथी संजू ही मौके पर थे। शराब के नशे में सागर की महिला मित्र के विषय में कहने पर झगड़ा हुआ और हत्या की वारदात हुई। हिस्ट्रीशीटर धर्मेंद्र की हत्या में शामिल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ईंट व डंडा भी बरामद किया है। घटना में झगड़े की मुख्य वजह आरोपी की महिला मित्र से बातचीत करना सामने आया है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।-पलाश बंसल, पुलिस अधीक्षक, बांदा- पिता थे मध्य प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल, हिस्ट्रीशीटर ने की थीं दो शादियां- हिस्ट्रीशीटर धर्मेंद्र (40) के चचेरे भतीजे दशरथ सिंह ने बताया कि धर्मेंद्र के पिता राजकुमार सिंह की दो साल पहले निधन हो गया था। वह मध्य प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल पद पर तैनात थे। गांव में धर्मेंद्र की मां सरस्वती देवी व छोटा भाई मुलायम रहता है। सबसे बड़े भाई विजय सिंह की 20 साल पहले निधन हो चुका है। धर्मेंद्र ने वर्ष 2007 में अमलीकौर निवासी द्वारिका सिंह की हत्या कर दी थी। बाद में उसके ऊपर गैंगस्टर की भी कार्रवाई हुई थी। परिजनों का दावा है कि वह हत्या के मामले में बरी हो चुका था। बताया कि उसके चाचा हिस्ट्रीशीटर धर्मेंद्र ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी रोशनी सिंह ने पांच साल पहले उससे संपर्क तोड़ लिया था। वह अपने पिता के साथ बांदा शहर के कालूकुआं मोहल्ले में रहती हैं। उनके एक बेटा व एक बेटी है। उसके बाद धर्मेंद्र ने एक विवाहित महिला रिंकी से शादी कर ली थी, वह बांदा के बाबूलाल चौराहे में किराये से रहती है। रिंकी के पहले पति से दो बेटे हैं।वारदात से पहले पत्नी को की थी वीडियो कॉल- धर्मेंद्र (40) के छोटे भाई मुलायम ने मटौंध में दी तहरीर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके भाई धर्मेंद्र ने कुछ दिन पहले बताया था कि सागर उससे रंजिश मानने लगा है। धर्मेंद्र जब अपनी भतीजी को लिवाने कबरई जा रहा था तो रास्ते में सागर ने उसे पकड़ लिया। इस पर शाम साढ़े पांच बजे करीब जब भाभी ने फोन किया तो धर्मेंद्र ने भाभी को वीडियो कॉल करके सागर के साथ होना बताया था। इसके बाद आरोपियों ने भाई की हत्या कर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो लोगों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी।

From bedroom to kitchen, these colors will make your home look as beautiful as Pinterest.

Color selection plays a crucial role in home decor. New home decor trends suggest that the world is moving toward darker colors. If your home has been confined to beige, cream, and off-white hues in pursuit of aesthetic appeal, it's time for a change. In 2026, the world

of home decor is moving toward darker colors. These colors aren't limited to walls; you can change the mood of your entire home through furniture, fabric, and decor items. According to the trend, this year's home colors will move beyond soft neutrals and tell their own story. Calming colors: Deep but soothing colors like deep plum, muted teal, and warm terracotta will be trending for bedrooms in 2026. These colors are best paired with a matte finish on the walls, which soothes the eyes. For furniture, choose a bed frame in dark wood or charcoal tones, which gives the room a regal and inviting look. Natural colors like olive green, dusty rose, and earthy tones in sheets, pillows, and cushion covers can maintain balance in the room. Choose brass lamps, textured carpets, and curtains that match the walls. This will make the bedroom not only cozy but also elegant. Living Room - A Sense of Vibrancy: The living room is the most important part of the home, where family and guests spend time. It's said that deep colors like emerald green, burgundy, and smoky blue will look good here. Use one of these colors as an accent wall, or the main wall, and keep the remaining walls in light, neutral tones. Furniture options include a curved sofa, a wooden center table, and cushions in different colors. Throw blankets, wall art, attractive lamps, and indoor plants will add a vibrant and stylish touch to the living room. Kitchen - Some Special Colors: Warm clay, sage green, and burnt orange will be especially prominent in kitchen decor this year. Matte finishes and wooden touches will be trending in kitchen cabinets. However, it's best to keep the wall colors light, making the kitchen appear open and clean. Create contrast in colors to make the kitchen unique. Include ceramic jars, open shelves, hanging lights, and small herb plants. This will create a warm and fresh feel. Children's Room - Cheerful and light colors should always be chosen for a happy children's room. In 2026, colors like soft yellow, sky blue, coral, and lavender will be preferred for children's rooms. Wall art or murals with light colors on the walls are good choices, while furniture should be simple and functional. Prints and bright colors in bedsheets and curtains reflect children's energy. Storage boxes, fairy lights, bookshelves, and a creative corner will make a child's room fun, learning, and enjoyable.

Did you purchase a health insurance policy while concealing a pre-existing illness? Claims can be a major setback.

It's common for people to conceal their pre-existing illnesses to reduce their premiums when purchasing health insurance. Let's explore this in this article and the significant losses you could face in such a situation. Nowadays, hospital and medical expenses have risen so much that having a good health insurance policy has become a crucial necessity for every family. However, it's often seen that individuals conceal their pre-existing illnesses from the insurance company when purchasing a policy to keep their premiums low or avoid the hassle of filling out forms. These pre-existing illnesses are known as "pre-existing diseases." People think the company won't find out, but this small mistake can prove devastating to your entire family in times of crisis. Let us understand in this article what major setbacks you may face at the time of claim if you hide your medical history while taking the policy. Immediate rejection of claim in hospital - When you are admitted to the hospital due to any chronic disease and file a claim, the doctors of the insurance company examine your old medical files and medicines. If they find out that this disease was there before you took the policy and you had hidden it, then the company rejects your claim straightaway without any delay. Permanent cancellation of policy - The entire business of insurance works on the principle of 'utmost good faith' i.e. mutual trust. If a customer deliberately hides his serious illness like diabetes, BP or heart related problem, then the company considers it as fraud. In such a situation, not only is your claim stopped, but your policy may also be permanently cancelled. Loss of deposited premium and no-claim bonus - Another major disadvantage of policy cancellation is that all the premiums you paid to the company in previous years are lost, and the company will not refund them. Additionally, all other benefits that come with your policy, such as the no-claim bonus and free health checkups, also expire with immediate effect. The biggest benefits and correct method of honest truthfulness - The simplest way to avoid all these major disadvantages is to provide truthful details of every illness, major or minor, when filling out the form. The company may charge a slightly higher premium or impose a waiting period, but after this, you are guaranteed a 100% confirmed claim in the future without any mental stress.

No need to go anywhere! You can change your mobile number linked to your Aadhaar from home using a new app. Learn the process and fees.

Do you know how you can change your mobile number in your Aadhaar card from the comfort of your home in minutes? You can learn about it here. There are many documents we need at various times, but the Aadhaar card is one that you need for various government and non-government purposes. Your Aadhaar card is also linked to your mobile number, and if this mobile number is disabled, you will not receive OTPs, which could hinder many of your tasks. But you need not worry, because you can link your new mobile number to your Aadhaar from the comfort of your home using the new Aadhaar app. Let's learn how to link your mobile number to Aadhaar and its fees... How to link a new mobile number to Aadhaar from the comfort of your home? Step 1: Download the new Aadhaar app from the Play Store. Log in. It will ask for your Aadhaar number and face authentication. Step 2: Once logged in, click on the Services option. A few options will appear. Click on the Mobile Number Update option. Step 3: After this, an OTP will be sent to the entered mobile number. Enter this OTP here and submit. Now, you need to complete face authentication, which means you need to prove that the right person is changing the mobile number. Step 4: After face authentication, you need to pay an online fee of Rs 75. Then, submit it. Your new mobile number will be linked to your Aadhaar within 15 days.

Rakhi Sawant vents her anger on Kangana Ranaut, criticizes her statement on Jan-G

Rakhi Sawant has expressed her displeasure over BJP MP Kangana Ranaut's statements on Jan-G, students, and women. She shared a video on Instagram, sharply targeting Kangana. Bollywood actress Kangana Ranaut recently released a video expressing her displeasure with the youth who abused PM Modi after participating in the CJP protest. Now, Rakhi Sawant has launched a scathing attack on Kangana over that video. She shared an Instagram video, slamming her. "How did you become an MP?" Rakhi also questioned Kangana's political career. "How did you become an MP? If you contested the elections yourself, you wouldn't even get people's votes," she said. I don't understand how you became such a big leader in Mandi and reached this position." Rakhi's reaction came after Kangana Ranaut shared a few posts on Instagram, calling Jane Ji "Generation Gutter." She also criticized the women involved in the student NEET protests associated with the Cockroach Janata Party. Kangana even said that the people protesting against the Rakhi paper leak "look and behave like cockroaches," and that watching these videos "makes me feel nauseous." Ji?" She also strongly objected to the statements made about daughters, "What are you saying about daughters, Jane You are said, "What are you saying about the daughters of our country? What are you saying about my students? 2024 sitting in Parliament and saying wrong things about the girls of our country." Rakhi also mentioned the when controversy when a CISF jawan slapped Kangana at the Chandigarh airport. She said, "Remember face the you were slapped at the airport? Aren't you scared?" If you keep speaking like this, you will have to then she anger of people everywhere.' She also challenged Kangana to go out without security and said that career and will understand the power of the youth of the country. Rakhi also took a dig at Kangana's Bollywood Your past controversies. She said, 'First look at your character, what all have you done in Bollywood. do this?' language is very bad. You are speaking against the girls of my country - do you have the right to

Renuka Shahane expressed regret over the delay in the release of the film "Chakda Express" regarding Anushka Sharma.

Actress Renuka Shahane expressed regret over the delay in the release of "Chakda Express," a biopic about former Indian women's cricket team fast bowler Jhulan Goswami. She shared her thoughts on this in an exclusive interview with Amar Ujala. Shahane expressed regret over the delay in the release of the film "Chakda Express." She said that the entire team had worked very hard on the film and that the inspiring story of a legendary cricketer like Jhulan Goswami should have reached the audience. During an exclusive interview with Amar Ujala during the promotion of the Marathi web series "Aang Aai Aho Aai," Renuka expressed regret that the film had not yet been released. "The film is very well made," Shahane said, "I am sad because Chakda Express has been very well made. Its director, Prosit Roy, has put in a lot of effort. The entire team, including Anushka Sharma, worked very hard on this film." Making a period film is very challenging and expensive on the production level. It is crafted with great detail. "The cricketer's story should reach the masses" - He further said, "The most important thing is that this is the story of a great cricketer like Jhulan Goswami. Her struggle is truly inspiring. I think her story should have reached the masses. If the film had been released, it would have been great." Everyone wants the story to reach the masses - When asked if he knew the reason for the film's non-release, he said, "To be honest, I don't know the underlying reasons. But we all want the film to reach the audience in some way." Who is Jhulan Goswami? Jhulan Goswami is a former fast bowler for the Indian women's cricket team. She is considered one of the most successful bowlers in women's cricket. "Chakda Express," a film based on her life and struggle, is directed by Prosit Roy. Anushka Sharma plays Jhulan Goswami in the film, with Renuka Shahane also playing a key role. The film's shooting was completed long ago, but it hasn't been released yet. Currently, no official announcement has been made by the producers regarding its release date. Recently, actor Dibyendu Bhattacharya also stated that the film is completely ready, but he too has no information regarding its release.

Anushka Sharma and Virat have bought a new home in the city of dreams? This is how much the luxurious house is worth.

Virat Kohli and Anushka Sharma have added another impressive property to their real estate portfolio. The celebrity couple has purchased a luxury apartment in Versova, Mumbai. The famous celebrity couple, Virat Kohli and Anushka Sharma, are often in the news. The couple is once again in the news thanks to their new apartment. According to reports, Virat and Anushka have added another impressive property to their impressive real estate holdings by purchasing a luxury apartment in Versova, Mumbai. How much is the apartment worth? - According to property registration documents, the couple has purchased a 2,644 square foot apartment in Andheri West. Its value is approximately ?18.29 crore. According to reports, the luxurious apartment includes an additional 316 square feet of exclusive living space and three dedicated parking spaces. They decided to purchase a sea-facing apartment, but... One of Virat Kohli's most talked-about real estate investments was a luxury sea-facing apartment in Mumbai's posh Worli neighborhood. According to reports, the cricketer booked a 7,171 square foot, four-bedroom apartment on the 35th floor in 2016 for approximately ?34 crore. However, according to media reports, Virat later decided to cancel the booking. His decision led to the property becoming one of the most talked-about real estate deals that ultimately failed to materialize. Virat and Anushka's Property The newly purchased apartment is another addition to Virat and Anushka's growing portfolio. They already own luxurious properties in Mumbai, Gurugram, and Alibaug. The couple has consistently invested in premium real estate over the past few years. Virat Kohli and actress Anushka Sharma married in 2017. The couple married in a private ceremony in Italy. Virat and Anushka have two children: daughter Vamika and son Akay.